सांवरियो खींचे डोर | by Smita Ganuwala

श्याम सुरंगो सावन आयो रिमझिम पड़े फुहार
सतरंगी झूला पे सजावा खूब करां मनुहार

हरियालो महीनो नाचे यो मन मोर
मिलने खातर देखो सांवरियो खींचे डोर
हरियालो महीनो.....

हरियाली छायी बाबा हिवड़ो लुभावे
परचम तेरो बाबा आकाशा लहरावे
झरमर झरमर बरसे पुरवाई झकझोर
मिलने खातर देखो सांवरियो खींचे डोर
हरियालो महीनो.....

सुध बुध मेरी मेरो बाबो ही राखे
घर में खुशी की जाने बंसुरिया बाजे
चेतो डगमग डोले दीखे यो चितचोर
मिलने खातर देखो सांवरियो खींचे डोर
हरियालो महीनो.....

जन्म जनम री लागे प्रीत पुरानी
तेरो नाम मीठो घणो जाइयाँ गुण धानी
लेहरी ओल्यू आवे हिवड़े उठे हिलोर
मिलने खातर देखो सांवरियो खींचे डोर
हरियालो महीनो.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%96%e0%a5%80%e0%a4%82%e0%a4%9a%e0%a5%87-%e0%a4%a1%e0%a5%8b%e0%a4%b0-by-smita-ganuwala/